विद्या- भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

नीतू कुमारी, वर्ग- चतुर्थ, विषय- हिंदी व्याकरण

दिनांक – 22-05-2021 एन.सी.ई.आर.टी. पर आधारित

पाठ-4 शब्द विचार

सुप्रभात बच्चों,

आज की कक्षा में आपको उत्पत्ति के आधार पर शब्द के भेद जानना है जो कि इस प्रकार है-

उत्पत्ति के आधार पर शब्द के भेद

तत्सम तद्भव देशज विदेशज

तत्सम शब्द—

संस्कृत के जो शब्द मूल रूप में हिंदी में प्रयोग में लाए जाते हैं, उन्हें तत्सम शब्द कहते हैं।

जैसे-अग्नि, वायु , स्नेह, सूर्य आदि।

तद्भव शब्द—

हिंदी के जो शब्द संस्कृत भाषा के हैं, लेकिन हिंदी में उनका सरल रूप में प्रयोग होता है, तद्भव शब्द कहलाते है।

जैसे--चंद्र से चांद, रात्रि से रात, मातृ से मातृ आदि।

देशज शब्द-

हिंदी में अनेक शब्द ऐसे हैं जिन्हें आवश्यकता के अनुसार बना लिया गया, ऐसे शब्द देशज कहलाते हैं।

जैसे-रोटी, पगड़ी, पड़ोसी, जूता, आदि।

विदेशीज शब्द—

विदेशी भाषाओं के जो शब्द हिंदी में प्रयोग किए जाते हैं, वे विदेश आज शब्द कहलाते हैं।

जैसे-अंग्रेजी—इंजन, नंबर, चॉकलेट ,सिनेमा ,सर्कस ,क्रिकेट, डॉक्टर आदि।

अरबी-अदालत, सुबह, हवा, शतरंज, तारीख, जुर्माना, ताकत, वकील आदि।

फारसी ---अचार, खराब, जगह, गुब्बारा ,जमीन, जानवर, नमक, दरवाजा आदि।

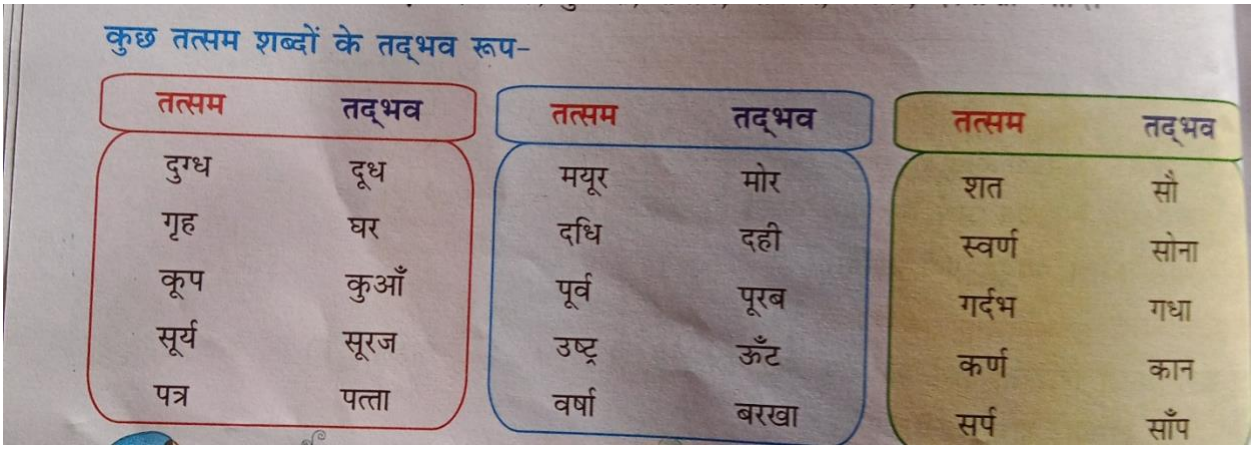

कुछ तत्सम शब्दों के तद्भव रूप-

तत्सम	तद्भव
दुग्ध	दूध
गृह	घर
कूप	कुआँ
सूर्य	सूरज
पत्र	पत्ता

तत्सम	तद्भव
मयूर	मोर
दधि	दही
पूर्व	पूरब
उष्ट्र	ऊँट
वर्षा	बरखा

तत्सम	तद्भव
शत	सौ
स्वर्ण	सोना
गर्दभ	गधा
कर्ण	कान
सर्प	साँप

बच्चों, दी गई अध्ययन- सामग्री को पूरे मनोयोग से पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें।

गृहकार्य:--

दिए , गए प्रश्नों को हल कर आपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें।

(ख) शब्द किसे कहते हैं?

(ख) अर्थ के आधार पर शब्द के कौन-कौन से भेद हैं।

(ग) उत्पत्ति के आधार पर शब्द के कितने भेद हैं? उनके नाम लिखो।

(घ) तत्सम और तद्भव शब्दों में अंतर स्पष्ट करो।